भटनागर सभा

उदयपुर–313001

(INFORMATION BULLETIN)

सूचना-पत्र

चित्रांश रमेश चन्द्र
अध्यक्ष

•

अशोक जालोरी
महामंत्री

•

प्रशान्त सहीवाला
समाज एवं सां. मंत्री

वर्ष 12, अंक–38
15 अगस्त, 2000

❖

सम्पादक मण्डल

डॉ. राजेन्द्र मोहन

•

मोहन सिंह जालोरी

•

विजय चन्द्र घोण्डावत

•

अरुणा गुहानिया

सेवाकाल की अवधि जो बीत गई

वर्तमान कार्यकारिणी के सेवाकाल (द्वि–वार्षिक) की वह अवधि जो बीत गई, उस पर दृष्टिपात करें तो उपलब्धि के रूप में अग्रलिखित बिन्दु महत्त्वपूर्ण है –

- कार्यकारिणी की मासिक बैठक नियमित रूप से पूर्ण सेवाकाल में अनवरत रही एवं सामान्यतः सभी मुद्दों पर सर्व सम्मति रही।
- वार्षिक / आजीवन / संरक्षक सदस्यता हेतु प्रयास वर्षपर्यन्त होते रहे, हर सूचना–पत्र इसका साक्षी है, यह एक विशेष उपलब्धि है – सहयोग के लिये सभी का आभार।
- भटनागर सभा भूखण्ड क्रय कोष में प्राप्त अनुदान की प्रक्रिया धीमी लेकिन अनवरत रही।
- विविध अभ्येतर गतिविधियों, मेला एवं लॉटरी के आयोजन सफल अवश्य रहे, लेकिन सामाजिक परिपेक्ष्य में सहभागिता और आवश्यकता अनुभव की गई।
- भटनागर सूचना–पत्र के गतिशीलता पर निरन्तरता मिली।
- पिकनिक का आयोजन उपस्थित परिजनों के विचार में बहुत बेहतर रहा।

विवेचना का यही दृष्टिकोण रखा जाय तो यहां कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है, कि अग्रलिखित अति महत्त्वपूर्ण कार्य आज भी अधूरे है।

- पंचायती नोहरा, जो जीर्णशीर्ण हालत में था, आज भी सुधार की अपेक्षा लिये यथावत खड़ा है (मात्र सफाई कराना नगण्य है)
- पंचायती बर्तनों का विक्रय सम्बन्धी निर्णय लिये जाने उपरान्त स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं।
- भूखण्ड क्रय खाते में राशि बहुत धीमी गति से बढ़ रही है, तीव्रता आनी चाहिये।
- पारिवारिक प्रपत्र दो बार प्रेषित करने के बावजूद बहुत कम संख्या में वापस आए, परिणाम स्वरूप पूर्ण जानकारी नहीं मिल सकी। सम्मान समारोह, परिवार निर्देशिका का कार्यक्रम सफल कैसे हो ?
- भटनागर दर्पण में विज्ञापन में सहयोग हेतु अभिलाषा को व्यक्त नहीं करने से वांछनीय सहयोग कैसे लिया जाय?
- शैक्षणिक एवं आर्थिक उपार्जन में कोई सार्थक पहल कार्यकारिणी की ओर से संभव नहीं हो सकी।

उपरोक्त संदर्भ में संक्षिप्त में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि उपलब्धियों से जो सामाजिक चेतना का प्रादुर्भाव हुआ है, उसे एक ओर गतिशीलता के साथ निरन्तरता प्रदान की जाय, वहीं दूसरी ओर अधूरे कार्यों को पूर्ण करने की दिशा में अविलम्ब वांछनीय कार्यवाही की जानी चाहिये – और यह सब तभी संभव होगा जब कुछ माह बाद नवीन कार्यकारिणी अपने सेवाकाल के प्रारम्भ से ही इस दिशा में ठोस प्रयास करेगी, इसी आशा एवं विश्वास के साथ –

आगामी चुनाव के संदर्भ में सक्रिय सदस्यता ग्रहण करने की अन्तिम संशोधित तारीख 16 सितम्बर, 2000

भवदीय
चित्रांश रमेश चन्द्र

प्रकाशन एवं आभार जो समय पर अभिव्यक्त न हो सका

(विलम्ब के लिये खेद सहित)

आजीवन सदस्य (रूपये 101/-)

2653–27.3.94 श्री चन्द्र मोहन भटनागर पुत्र श्री नारायण प्रसाद जी
2660–20.3.95 श्री दिलीप घोण्डावत पुत्र श्री रतन सिंह जी
2662–20.3.95 श्री बृज मोहन नागोरी पुत्र श्री दुल्हेसिंह जी
2663–20.3.95 श्रीमती मंजु नागोरी पत्नी श्री कमल सिंह जी
2668–29.5.95 श्री सुरेश चन्द्र
2671–14.6.95 श्रीमती रेणु नागोरी पत्नी श्री घनश्याम जी

अनुदान हेतु आभार

2652–10.3.94 श्रीमती बसन्त देवी पत्नी श्री चतर सिंह जी द्वारा विधवा कोष में अनुदान 501/–
2654–27.3.94 श्री जमनालाल जी जालोरी द्वारा पौत्री की डुंढ पर अनुदान राशि 51/–
2655–27.3.94 श्री दुल्हेसिंह जी जालोरी द्वारा पौत्र की डुंढ पर अनुदान राशि 51/–
2656–1.4.94 श्री प्रमोद जी भटनागर पुत्र श्री नारायणलाल जी द्वारा विधवा कोष में अनुदान 501/–
2657–14.11.94 श्रीमती रतन देवी पत्नी श्री श्याम लाल जी द्वारा अनुदान 501/–
2658–20.12.94 श्री सुरेशचन्द्र जी भटनागर, उज्जैन द्वारा अनुदान 100/–
2670–14.6.95 श्रीमती उषा रानी भटनागर पत्नी श्री प्रहलाद स्वरूप जी द्वारा सहायतार्थ राशि 201/–
2673–15.12.95 श्री विरेश्वर सिंह जी पुत्र श्री सज्जन सिंह जी फराशखानावाला द्वारा सहायतार्थ राशि 101/–
2674–15.12.95 श्री बलवन्तसिंह जी भटनागर, सलुम्बर द्वारा अनुदान 1000/–
2675–27.10.97 श्री मदनसिंह जी पूजा अर्चना हेतु अनुदान स्वरूप भेंट – 51/–

विशेष आग्रह

क्षेत्रीय प्रतिनिधि श्री रमेश पचवारिया ने समाज की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए एक विशेष जानकारी प्रकाशित करने का आग्रह किया है–

समाज के **मोलावत व पचवारिया गौत्र के आराध्य श्री साटकिया भैरो जी का स्थान** अम्बामाता क्षेत्र में वर्तमान में जीर्णशीर्ण स्थिति में है. इसकी देखभाल एवं नवनिर्माण के संदर्भ में जो भी परिजन सहयोग व मार्गदर्शन करना चाहें वे सुश्री कमलकान्ता मोलावत (दूरभाष 522128) एवं श्री रमेश पचवारिया (दूरभाष 415758) से सम्पर्क करावें।

विचार मंथन

बांसवाड़ा से श्री महेन्द्र सिंह गुडेलिया ने विस्तृत पत्र के माध्यम से अपने विचार प्रकट करते हुए लिखा कि, आपके द्वारा प्रेषित सूचना–पत्र हमें बराबर मिल रहे हैं – बहुत–बहुत आभार। आपके व आपकी कार्यकारिणी द्वारा सभा को पुनः सुदृढ़ कार्य चालक बनाया गया है, जितनी प्रशंसा की जाय कम है। आशा है आप द्वारा किये गये प्रयास समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे।

• *नवीन सुझाव के लिये आप निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं, साथ ही उन सभी अभिभावकों के भी आभारी हैं जिन्होंने नाबालिग बालकों को सदस्यता प्रदान करने में आपकी पहल पर सहमति व्यक्त कर विचार को क्रियान्वित करने में सहयोग दिया।*

आणंद से डॉ. रमेश भटनागर के विचार में पिछले डेढ़ वर्ष में कार्यकारिणी के प्रयास सराहनीय है। वैवाहिक संदर्भ में बेतहाशा बढ़ते खर्च के प्रति चिन्ता व्यक्त करते हुए आपने इसके समाधान के लिये **सामूहिक विवाह** का सुझाव दिया।

• *क्रियाकलापों की सराहना हेतु आभारी है। सामूहिक विवाह के संदर्भ में जब भी समाज के कुछ परिजन सहयोग की अभिलाषा व्यक्त करेंगे, भटनागर सभा तत्परता से इसे क्रियान्वित करने का बीड़ा उठायेगी।*

ईलाजी का नीम, उदयपुर से श्री आदेश कालावत लिखते है, कि नववर्ष पर प्रकाशित सूचना–पत्र पढ़कर समाज में हो रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी मिली। बधाई एवं नाराजगी की मिली जुली प्रतिक्रिया के बावजूद कुल मिलाकर आपके प्रयासों से **समाज में जागरूकता** पैदा हो रही है। पिछले दिनों हुए सम्मान समारोह के बारे में श्री कालावत ने सुझाव दिया कि बेहतर होता यदि समस्त समाज की उपस्थिति में समारोह सम्पन्न होता। साथ ही **पंचायती नोहरा विकास समिति** के सुझावों पर अविलम्ब कार्यवाही की मांग है।

• *वैचारिक अभिव्यक्ति के लिये आप अवश्य बधाई के पात्र हैं। लेकिन आश्चर्य है, कि कार्यकारिणी के सदस्य को गतिविधियों की जानकारी बुलेटिन के माध्यम से मिल रही है, जबकि सभी निर्णय (सामान्यतः) मासिक बैठक में ही सर्वसम्मति से लिये जाते रहे हैं।*

सुभाषनगर, उदयपुर से श्री रतन सिंह जी घोण्डावत ने पत्र के माध्यम से सूचित किया है, कि पंचायती बर्तनों में से एक **लोहे का कड़ाव** वर्तमान में श्री चित्रगुप्त मन्दिर के पीछे वाली गली में रखा हुआ है, इसे बेचकर अन्य बर्तन खरीदना उपयुक्त रहेगा।

• *सुझाव प्रशंसनीय है, शीघ्र अमल हेतु प्रयासरत है।*

बांसवाड़ा से श्री रविन्द्र जालोरी ने सभा द्वारा प्रकाशित पूर्व पत्रों का हवाला देते हुए शैक्षणिक स्थिति के संदर्भ में अवगत कराते हुए वांछनीय संशोधन की अपेक्षा की।

• *सुझाव हेतु आभार/प्रकाशन हेतु प्रयासरत है।*

भटनागर सभा भूखण्ड क्रय खाता हेतु अनुदान - आभार

(समयावधि 5 अप्रेल, 2000 – 31 जुलाई, 2000)

पूर्व में प्राप्त राशि **रु. 2,24,655/–**

2523	श्री चतर सिंह जी जालोरी पुत्र श्री खुमाण सिंह जी	1101/–
2524	श्री राज कुमार जी नागोरी पुत्र श्री मनोहर सिंह जी	1000/–
2525	श्री अविनाश जी चोण्डावत पुत्र श्री दिनेश चन्द्र जी	1000/–
3751	श्री चतर सिंह जी चोण्डावत पुत्र श्री गोपाल लाल जी	500/–
3752	श्री ओम प्रकाश जी जालोरी पुत्र श्री दुल्ह सिंह जी	501/–
3753	श्री रतन सिंह जी चोण्डावत पुत्र श्री केसरी सिंह जी	101/–
3754	श्री कैलाश चन्द्र जी मोलावत पुत्र श्री अमृत लाल जी	5001/–
3755	श्री राजेन्द्र मोहन जी बंसल पुत्र श्री बृजमोहन जी	2001/–
3756	श्री सत्यनारायण जी भटनागर	500/–
—	श्री मनोहर सिंह जी गुढेलिया, श्री राजेन्द्रसिंह जी, श्री महेन्द्र सिंह जी	5100/–
3764	डॉ. श्री रणजीत जी पंचोली पुत्र श्री मथुरा नाथ जी	3696/–
3757	श्री विजय जी पंचोली पुत्र श्री मथुरा नाथ जी	100/–
3416	श्री कमलकान्त जी जालोरी पुत्र श्री जमनालाल जी	100/–
3759	श्रीमती पुष्पलता बक्षी, श्री समर्थ सिंह जी बक्षी	5000/–
3760	श्री समर्थसिंह जी, श्री जसवन्तसिंह जी, श्री भगवतसिंह जी (माताश्री श्रीमति भंवर बाई बक्षी की पुण्य स्मृति में)	1000/–
3761	श्री कन्हैया लाल जी पुत्र श्री मोड़ीलाल जी	1000/–
3762	श्री कैलाश नारायण जी मोलावत पुत्र श्री दलपत सिंह जी	1001/–
3765	श्री अशोक जी जालोरी पुत्र श्री श्याम बिहारी जी (मई/अगस्त)	400/–
		2,53,757/–

अनुदान हेतु आभार

- **डॉ. सुनील पंचोली** पुत्र डॉ. सौभाग्य नारायण जी द्वारा पूर्व आश्वासन के संदर्भ में **भटनागर सभा के विविध खर्च** हेतु दूसरी किश्त के रु. 5000/– प्राप्त हुए। – रसीद 3413
- **श्री चतर सिंह जी सहीवाला** द्वारा माताश्री सरदार कँवर पत्नी श्री लाल सिंह जी सा. की स्मृति में रु. 501/– **शिक्षा कोष** में अनुदान। – रसीद 3763

प्रस्तावित शिलालेख की नवीनतम जानकारी

ग्यारह हजार या अधिक की राशि एकमुश्त/एक नाम से जमा होने पर पुनः आभार सहित ...

1,00,000/–	डॉ. श्री सुनील पंचोली पुत्र डॉ. सौभाग्य नारायण जी
15,000/–	डॉ. बी.पी. भटनागर पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह जी बुन्देला
11,111/–	सुश्री कान्ता भटनागर पुत्री श्री खुमाण सिंह जी गुढ़ेलिया
11,111/–	श्री बृज मोहन जी गुढ़ेलिया पुत्र श्री गुलाब सिंह जी

(पिछले बुलेटिनों में प्रकाशित संकलन)

सुमनांजलि

उदयपुर के हमारे भटनागर समाज में कई **महिला–विभूतियाँ** समय–समय पर प्रादुर्भूत हुई हैं – उनका स्मरण करना, उनसे प्रेरणा लेना – यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

समाज के बहुत से परिवारों में स्वयं नाम धन्य पुरूष एवं महिला सदस्य रहे होगें, जिन्हें हम लोकभाषा में "बड़ावों" का नाम देते है। वर्तमान शान–शौकत एवं ग्लेमर के युग में धन–सम्पदा का अधिक मुल्यांकन होता है, किन्तु मानवोचित जो विशेष गुण प्रकृति प्रदत्त है, उनको कम महिमा मंडित करना असंभव है, तथा उचित भी नहीं है। सर्वकालों एवं समय चक्रों में ये मानवोचित गुण ध्रुव तारे की तरह अटल, निश्चल एवं सर्वोपरि रहेंगे एवं इन्ही से मनुष्य जाति की मान्यता धरती पर बनी रहेगी।

21वीं सदी में समाज एवं परिवारों में टुटन आ रही है, अनेक प्रकार के वाद–विवाद सर्वत्र सुनने में आते है, अनेक प्रकार की कठिनाईयाँ–संयुक्त परिवार के बिखरने से सामने आ रही है, तब ऐसी विभूतियों से प्रदत्त ज्ञान का बहुत महत्त्व है। उत्कृष्ट दाम्पत्य–प्रेम, स्नेह एवं त्याग के लिये प्राण होमने वाली महान विभूतियों को स्मरण करना भी हमारा कर्त्तव्य है, जिसको हम शब्दों में लिखकर कुछ सीमा तक पूर्ण कर सकते है।

"इति–शुभम"

वैद्य–नलिनी देवी पंचौली
आयुर्वेदाचार्य

Tel. : 655007 (O) 561854 (R)
Mobile : 98280-59789

के.एस. भटनागर,
प्रवीण भटनागर,
प्रशान्त भटनागर

श्रीनाथ आटोमोबाइल्स
टाटा, बार पहिया वाहन के स्पेयर पार्ट्स एवं सभी प्रकार के ट्यूबिकेन्ट्स के विक्रेता

पी.पी. बिल्डर्स एवं सप्लायर्स
(प्लेनर एण्ड कोन्ट्रेक्टर्स)
पत्थर, रेती, क्रेशर, गिट्टी, ईटें एवं भवन निर्माण के सप्लायर्स

कार्यालय : जिंक स्मेल्टर चौराहा, देबारी पेट्रोल पम्प के पास, देबारी, उदयपुर
क्षेत्रीय कार्यालय : 93, गायत्री मार्ग, कांजी का हाटा, उदयपुर
Building Relation - Through Buildings

रसीद

बुलेटिन के व्ययभार में सहयोग हेतु श्री किशन सिंह जी एवं परिवारजन का आभार।

नवीन सदस्यता ग्रहण करने हेतु आभार

संरक्षक सदस्य (सदस्यता राशि रु. 151/–)
(अवधि 5 अप्रेल, 2000 – 31 जुलाई, 2000)

3367 श्री अमर सिंह कानूनगो पुत्र राव श्री रामचन्द्र जी
3368 श्रीमती पुष्पलता कानूनगो पत्नी श्री अमरसिंह जी
3369 श्री कुलदीप गुड़ेलिया पुत्र श्री अमरसिंह जी
3370 श्रीमती अमिता गुड़ेलिया पत्नी श्री कुलदीप जी
3371 श्री जयदीप गुड़ेलिया पुत्र श्री अमरसिंह जी
3372 श्रीमती शालिनी गुड़ेलिया पत्नी श्री जयदीप जी
3373 श्री संदीप गुड़ेलिया पुत्र श्री अमरसिंह जी
3374 श्रीमती निशा गुडेलिया पत्नी श्री संदीप जी
3375 श्री विजय कुमार गुड़ेलिया पुत्र श्री अमर सिंह जी
3407 डॉ. श्री रणजीत पंचोली पुत्र श्री मथुरानाथ जी (U.S.A.)
3408 श्रीमती जया पंचोली पत्नी डॉ. श्री रणजीत जी (U.S.A.)
3409 श्री राजीव पंचोली पुत्र डॉ. श्री रणजीत जी (U.S.A.)
3410 श्री भरत पंचोली पुत्र डॉ. श्री रणजीत जी (U.S.A.)
3708 श्री सुभाष मोलावत पुत्र श्री शिव दयाल जी
3712 श्री विजय चोण्डावत पुत्र श्री रंजन कुमार जी
3713 श्रीमती अनुपमा चोण्डावत पत्नी श्री विजय जी
3714 श्री विक्रम चोण्डावत पुत्र श्री रंजन कुमार जी
3717 श्रीमती सरोज गुड़ेलिया पत्नी श्री जमना लाल जी
3718 श्री राकेश गुड़ेलिया पुत्र श्री जमना लाल जी
3719 श्रीमती नीलू गुड़ेलिया पत्नी श्री राकेश जी
3720 श्री मयंक बुन्देला पुत्र श्री गजेन्द्र नारायण जी (कोटा)
3721 डॉ. श्री अरूण कुमार पंचोली पुत्र श्री धतरसिंह जी (फिरोजाबाद)
3724 श्री राहुल गोरावत पुत्र डॉ. श्री सुरेन्द्र जी
3725 श्रीमती भगवती मोलावत पत्नी श्री रामचन्द्र जी
3727 श्री नीतेश जालोरी पुत्र श्री लोकेन्द्र जी
3732 सुश्री अमिता नागोरी पुत्री श्री छैल बिहारी जी
3739 श्री कैलाश चन्द्र मोलावत पुत्र श्री अमृतलाल जी
3750 श्री मनीष बक्षी पुत्र श्री महेश बक्षी (बुन्देला)
3366 श्रीमती चांदनी भटनागर पत्नी श्री शीलरतन जी (दिल्ली)
3417 श्री जय प्रकाश पुत्र श्री रघुनाथ सिंह जी
3418 श्रीमती सपना पत्नी श्री जय प्रकाश जी
3421 श्री नीशु महसानी पत्नी श्री विरेन्द्र जी
3426 श्री नरेन्द्र कुमार त्वन पुत्र श्री आसराम जी

आजीवन से संरक्षक (रू. 50/-)

3765 डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर पुत्र श्री बृजमोहन जी
3710 श्री श्रीचन्द चोण्डावत पुत्र श्री अमर चन्द्र जी
3716 श्री बलवन्त सिंह गुड़ेलिया पुत्र श्री मोहन सिंह जी
3722 श्री चतर सिंह चोण्डावत पुत्र श्री गोपाल लाल जी
3424 श्रीमती वनमाला सरसीवालमहता पत्नी श्री रमेश चन्द्र जी
3425 श्री अंकुर सरसीवालमहता पुत्र श्री रमेश चन्द्र जी
3411 श्रीमती अमिता खेराड़ा पत्नी श्री शैलेश जी

आजीवन सदस्य राशि रू. 101/-

3709 श्रीमती अन्जु मोलावत पत्नी श्री सुनील जी
3715 श्रीमती योगिता पचवारिया पत्नी श्री रमेश जी
3726 श्री प्रताप सिंह जालोरी पुत्र श्री खुमाण सिंह जी
3730 श्रीमती कृष्णा मोलावत पत्नी श्री रघुवीर सिंह जी
3731 श्री रतन सिंह चोण्डावत पुत्र श्री केसरी सिंह जी
3733 श्री विपुल गुड़ेलिया पुत्र श्री देवेन्द्र जी
3734 श्रीमती कविता गुडेलिया पत्नी श्री विपुल जी
3737 श्री प्रकाश खाखड़वाला पुत्र श्री रतन सिंह जी
3738 सुश्री वैशाली बक्षी पुत्री डॉ. श्री जयन्त जी
3740 श्री नवीन मोलावत पुत्र श्री कैलाश चन्द्र जी
3741 श्रीमती जया मोलावत पत्नी श्री नवीन जी
3742 सुश्री दीपाली सरसीवालमहता पुत्री श्री रमेश चन्द्र जी
3746 श्रीमती प्रेम लतिका पत्नी श्री सरदार सिंह जी
3749 श्री पंकज भटनागर पुत्र डॉ. श्री राजेन्द्र मोहन जी
3412 श्री नवीन भटनागर पुत्र श्री स्वरूप नारायण जी
3405 श्री अरुण गुड़ेलिया पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह जी
3406 श्रीमती रचना गुड़ेलिया पत्नी श्री अरुण जी
3376 श्री श्याम लाल नागोरी पुत्र श्री कन्हैया लाल जी
3377 श्रीमती उमराव नागोरी पत्नी श्री श्याम लाल जी
3415 श्री कमलकान्त जालोरी पुत्र श्री जमना लाल जी
3419 श्री रमेश चन्द्र राज पुत्र श्री मोहन सिंह जी
3427 श्रीमती आशालताध्वन पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार जी

छात्रवृति

शैक्षणिक व्ययभार वहन करने मे सहयोग की आकांक्षा रखने वाली राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्राएँ, जिन्होंने आठवीं बोर्ड की परीक्षा 60 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण की है, कृपया अंकतालिका की छायाप्रति अध्यक्ष, भारतीय नारी कल्याण संस्था, देहलीगेट के पते से सम्बोधित करते हुए श्री बृजमोहन जी गुड़ेलिया को प्रेषित करें।

आवेदन की अन्तिम तारीख **10 अगस्त, 2000**
राशि रू. **500**/– शैक्षणिक व्यय हेतु।

पिकनिक-2000

एक लम्बे अर्से से प्रतीक्षारत अंततः पिकनिक आयोजन पिछले दिनों 16 जुलाई, 2000 को **"श्री अमरख जी महादेव"** स्थल पर हर्षोल्लास पूर्ण सम्पन्न हुआ। समाज के सभी क्षेत्रों में निवासरत एवं सभी आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं एवं पुरूष/महिलाओं ने सहभागिता प्रस्तुत की। इस रमणीय स्थल पर प्रातः करीब 10 बजे से सायं 5.30 बजे तक सुहावने मौसम एवं हल्की बूंदाबादी (वर्षा) के चलते आनन्द की अनुभूति अविस्मरणीय रहेगी।

चित्रमय प्रस्तुती

जलपान में व्यस्त युवा साथी

दर्शन लाभ के उपरान्त हरी-भरी वादियों के बीच सभी परिजन एक स्थल पर जलपान के लिये एकत्र हुए, तदूपरान्त एक छोटे अन्तराल उपरान्त हाउजी के दो गेम खेले गये, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने सहभागिता दर्ज कर आनन्द उठाया। नन्हें-मुन्ने बालक/बालिकाओं द्वारा कविता/गाने की प्रस्तुति को सभी ने सराहा। एक विशेष प्रयास के दौरान दो उपहार दिये जाने थे,

जलपान का दृश्य

लेकिन अन्ततः इसे स्थगित करना पड़ा। अन्त में राजस्थानी स्वरूचिपूर्ण भोजन का आनन्द हर उपस्थित परिजन ने उठाया। **पिकनिक स्थल से प्रस्थान से पूर्व सभी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा करने के साथ ही इच्छा जाहिर की, कि भविष्य में ऐसे आयोजन समय-समय पर अवश्य होने चाहियें।** पिकनिक के संदर्भ में कार्यकारिणी के सदस्य सर्वश्री अरविन्द सहीवाला,

भोजन का आनन्द लेते परिजन

श्री अशोक जालोरी, श्री सुधीर बुन्देला, श्री देवेश मोलावत, श्री ओमप्रकाश जालोरी विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं, जिनके अथक प्रयास एवं सहयोग से यह उपलब्धि अर्जित हो सकी। **साथ ही पिकनिक स्थल पर इन सदस्यगणों के अतिरिक्त पिकनिक में पधारे उन सभी सदस्यगणों (जिनका प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष) का सहयोग बहुमूल्य रहा आभार व्यक्त करते हुए अपेक्षा करते है, कि सहयोग की प्रवृत्ति बराबर बनी रहेगी।**

श्री अमरख जी महादेव मंदिर प्रांगण का विहंगम दृश्य

सभी उपस्थितजनों का आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त करना चाह रहे है, कि **भविष्य में सूचना-पत्र को आधार मानकर सहयोग करने की पहल प्रशंसनीय रहेगी, व्यक्तिगत सम्पर्क बहुत कठित कार्य है।**

भोजन के दौरान व्यस्तता की झलक

18 वर्ष से कम आयु के बावजूद भटनागर सभा की सदस्यता ग्रहण करने हेतु आभार

संरक्षक सदस्य (रु. 151/–)

3701 श्री मोहित गुड़ेलिया पुत्र श्रीमती मुक्ता, श्री महेन्द्र जी
3702 श्री मोनित गुड़ेलिया पुत्र श्रीमती मुक्ता, श्री महेन्द्र जी
3711 श्री अमोल जालोरी पुत्र श्रीमती सरोज, श्री अशोक जी

आजीवन सदस्य (रु. 101/–)

2526 सुश्री वत्सला बुन्देला पुत्री श्रीमती मनीता, श्री सुधीर जी
2527 श्री श्रेय सहीवाला पुत्र श्रीमती रजनी, श्री आशीष जी
3703 सुश्री सुरभि मोलावत पुत्री श्रीमती नीलिमा, श्री देवेश जी
3704 श्री सौरभ मोलावत पुत्र श्रीमती नीलिमा, श्री देवेश जी
3705 सुश्री तनुश्री सहीवाला पुत्री श्री रघुवीर सिंह जी
3706 श्री हिमांशु सहीवाला पुत्र श्रीमती वीणा, श्री निरजंन जी
3707 सुश्री रिया खेराड़ा पुत्री श्रीमती अमिता, श्री शैलेश जी
3743 श्री संदीप हिसारिया पुत्र श्रीमती माहेश्वरी, डॉ. श्री सतीश जी
3744 सुश्री शिल्पा हिसारिया पुत्री श्रीमती माहेश्वरी, डॉ. श्री सतीश जी
3714 श्री तन्मय जालोरी पुत्र श्रीमती अनीता, श्री प्रवीण जी

नाबालिग सदस्य (18 वर्ष से कम आयु) विशेष टिप्पणी

श्री महेन्द्र सिंह गुड़ेलिया ने पिछले दिनों दूरभाष पर नाबालिग सदस्यता के संदर्भ में विचार अभिव्यक्त करते हुए अपने दोनों बच्चों को सदस्यता प्रदान करने का आग्रह किया– इस संदर्भ विशेष पर कार्यकारिणी की बैठक में विचार विमर्श एवं सलाहकार मण्डल की सहमति उपरान्त यह सदस्यता प्रदान की जा रही है – सूचनार्थ।

नई सदी में नए समाज की संरचना आज की प्रमुख आवश्यकता

नई सदी में नए समाज की संरचना आज की प्रमुख सामाजिक आवश्यकता है। ऐसा नया समाज सुसंस्कृत एवम् स्वस्थ्य बच्चों के जन्म से ही बन सकता है। प्रयत्न ऐसे रहने चाहिए कि इस नई सदी में बालक पूर्ण रूपेण स्वस्थ, सुसंस्कृत माता की कोख से जन्मे जिससे उनमें सुसंस्कारों का स्वतः ही आगमन हो।

हर नागरिक का यह कर्तव्य होना चाहिए कि देश में बच्चों को जन्म देने वाली माता जो किसी भी वर्ग, प्रान्त, समुदाय की हो उसे गर्भकाल के दौरान पूर्ण भोजन व दवाइयों की व्यवस्था हो। कहीं भी कुपोषण की स्थिति न हो जिसका असर होने वाली सन्तान पर पड़े।

अच्छे संस्कार, अच्छा पोषण, अच्छा व्यवहार इत्यादि बालक बालिकाओं को विद्यालयों के स्तर से ही देने से उनमें आपसी समझ, भविष्य के प्रति जिम्मेदारियों, सम्मानित नागरिक के कर्त्तव्यों इत्यादि की समझ आती है। बाल्यावस्था बाद यदि उनका मार्गदर्शन स्वस्थ्य बालक को जन्म हेतु आवश्यक जिम्मेदारियों हेतु कराया जाए तो ऐसी कोई आशंका नहीं रहती कि वे अपनी जिम्मेदारियों स्वस्थ्य, सुसंस्कृत बच्चे को पैदा होने में निभाने में कोई कमी छोड़ें।

अपने पूर्ण सामाजिक जिम्मेदारियों की जानकारी के अभाव में प्रायः प्रारंभिक तौर पर लोग विवाह को वंश वृद्धि हेतु एक सामाजिक संस्कार मानते है। अनेक कुरीतियां जिसमें दहेज, आडम्बर इत्यादि को उदाहरणार्थ ले सकते हैं, को ओढ़ते हुऐ विवाह संस्कार सम्पन्न कराऐ जाते है। लड़की को मात्र सन्तानोत्पति एवम् गृह कार्य का कार्य करने हेतु समझा जाता है। कभी दहेज, शोषण, अभद्रता इत्यादि ऐसे कारण हो जाते है जो निश्चित रूप से भावी सन्तान के सुसंस्कारों को प्रभावित करते है।

यह कार्य योजना विचारार्थ प्रेषित है, सुझाव एवं सहयोग अपेक्षित है।

बृजमोहन गुड़ेलिया
देहली दरवाजा, बाई जी राज का कुण्ड

शैक्षणिक एवं अध्येत्तर गतिविधियों में विशिष्ठ उपलब्धि

बधाई एवं शुभकानमाएँ

- **सुश्री पारूल** पुत्री डॉ. श्री रमेश जी भटनागर (आणंद) को 15.12.99 को स्नातक (गृह विज्ञान) में सर्वाधिक अंक प्राप्त होने पर **श्रीमती तारा बाई गोल्ड मेडल** सरदार पटेल युनिवर्सिटी द्वारा प्रदान किया गया।
- **श्री महेश चन्द्र सरसीवालमहता** पुत्र श्री सरदार सिंह जी को भारत स्काउट एवं गाइड, मध्यप्रदेश में सेवारत अवधि के दौरान स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय द्वारा संस्था के प्रति की गई सेवाओं का मुल्यांकन करते हुए 7.12.99 को अलंकरण समारोह में राज्यपाल महोदय द्वारा **मेडल ऑफ मेरिट बैज से अंलकृत** किया गया।
- चेन्नई में आयोजित भारत स्काउट एवं गाईट की गोल्डन जुबली जम्बूरी में **राजस्थान दल में उदयपुर से सुश्री पूनम भटनागर** पुत्री श्री आलोक जी का चयन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट सफलता के परिणामस्वरूप राजस्थान दल को जम्बूरी का सर्वोच्च सम्मान **नेशनल कमिश्नर ध्वज** प्रदान किया गया।
- **श्री विक्रम पंचोली** सुपुत्र श्रीमती नीलिमा एवं श्री विधान पंचोली ने इन्जीनियरिंग कॉलेज शहादा (महाराष्ट्र) से **B.E. (Elec. & Telecomm. Engg.)** की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, भविष्य में विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा हेतु प्रयासरत है।

इस शुभ अवसर पर उनकी दादी एवं छोटी बहिन नीशिता पंचोली द्वारा भटनागर सूचना–पत्र को **501/– रुपये की भेंट समर्पित करने पर** – हार्दिक आभार। – रसीद 3428

एलर्जी

• डॉ. एच.एन.एस. भटनागर

एलर्जी एक रसायनिक प्रक्रिया है जो किसी बाहरी या आन्तरिक पदार्थ के शरीर की रक्षा पंक्ति से उलझने स्वरूप उत्पन्न हुए रसायनिक पदार्थों के कारण होती है। एलर्जी स्वरूप कौनसा अंग प्रभावित हुआ है, इसके आधार पर विभिन्न प्रकार के लक्षण प्रदर्शित होते है, जैसे दाफड़ हो जाना, खुजली चलना, छींके आना, सांस लेने में तकलीफ होना (दमा) आंख–नाक से पानी निकलना, एक्जीमा हो जाना आदि। यदि वास्तव में देखा जावे तो एलर्जी शरीर की प्रतिरक्षात्मक क्रिया है जो विभिन्न उत्पन्न लक्षणों के माध्यम से व्यक्तियों को आगाह कराती है कि कोई ऐसा पदार्थ शरीर में पहुंच रहा है, जिसे शरीर के अवयव अपना नहीं (Non Self) महसूस कर रहे है, एवं बाहर फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। इस बाहर फेंकने की क्रिया स्वरूप ही उपरोक्त वर्णित लक्षण प्रदर्शित होते है। यदि इस पदार्थ का जिससे शरीर एलर्जी महसूस कर रहा है पता शुरु में ही चल जाय व उसे भविष्य में शरीर के सम्पर्क में न आने दिया जावे तो काफी संकट पूर्ण स्थिति से बचा जा सकता है। इसके विपरित इस पदार्थ का पता न चले व ये बार बार शरीर के सम्पर्क में आता रहेगा तो स्वास्थ्य विपरित रूप से प्रभावित होता रहेगा व कभी जीवन भी खतरे में पड़ सकता है।

वैसे तो किसी भी व्यक्ति को किसी भी पदार्थ से एलर्जी हो सकती है, परन्तु आम तौर पर निम्न पदार्थों से सामान्यतया एलर्जी होती देखी गई है :–

बाहरी पदार्थ

रसायनिक	खाद्य पदार्थ	भौतिक पदार्थ	वनस्पति जगत
1. साबुन	1. दूध एवं उसके बने पदार्थ	1. धूल के कण	1. विभिन्न पौधे व फूलों के परागकण
2. तेल	2. दालें व उनके बने पदार्थ	2. धुआ	
3. पाउडर	3. अंडा	3. कोई विशेष मौसम	
4. क्रीम	4. मास, मछली आदि	4. सूर्य किरणें	
5. दवाईयां	5. गेहू, चावल आदि		

आंतरिक पदार्थ

1. शरीर में प्रवेश किये कीटाणुओं द्वारा छोड़े गये रसायनिक पदार्थ।
2. बड़े कीड़े जैसे पटाट व नारू द्वारा शरीर में छोड़े गये पदार्थ

जब कभी भी आप महसूस करे कि आपको एलर्जी के लक्षण प्रतीत हो रहे है, यह जानने की कोशिश कीजिये कि किस चीज के प्रयोग के कारण आपमें ये लक्षण उत्पन्न हो सकते है। थोड़ी मेहनत कर आप इस चीज का पता लगाने में कामयाब हो सकते है। अस्पतालों में एलर्जी विभाग भी आपकी इस सम्बन्ध में मदद कर सकता है।

एलर्जी के लक्षण प्रतीत होने पर:–

1. यदि जिस चीज से एलर्जी है उसका पता चल जावे तो उससे दूर रहे।
2. एलर्जी विभाग से सम्पर्क कर टीके लगवाकर अपने आपको उस पदार्थ के दुष्प्रभावों से डीसेन्सेटाइज करवावे।
3. यदि एलर्जी करने वाले पदार्थ से कभी दूर रहना सम्भव न हो तो इलाज हेतु डाक्टर की राय से दवा ले
4. यदि किसी आन्तरिक कारण से एलर्जी हो तो डाक्टर की सलाह से उस बीमारी का इलाज ले।

निमन्त्रण

साधारण सभा की बैठक

भटनागर सभा के विधान के माध्यम से प्रदत्त विशेषाधिकार संख्या 14 पृष्ठ 5 का प्रयोग करते हुए एवं कार्यकारिणी के सर्वसम्मत निर्णयानुसार साधारण सभा की बैठक आमंत्रित करते हुए यह अपेक्षा संजो रहा हूँ, कि शहर में निवास कर रहे सभी सदस्यगण (वार्षिक/आजीवन/संरक्षक) इस अवसर पर उपस्थित होकर मार्गदर्शन एवं सहयोग करने में अवश्य पहल करेंगे।

बैठक स्थल – आलोक सभा स्थल
आलोक स्कूल, सेक्टर – 11

दिनांक 6 अगस्त, 2000, दोपहर 3.00 से

विचारणीय मुद्दे
- कार्यकारिणी के क्रियाकलाप पर चर्चा
- भटनागर सभा के संविधान में संशोधन हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा
- सदस्यगणों द्वारा वैचारिक अभिव्यक्ति
- अन्य अध्यक्ष की अनुमति से

अध्यक्ष, भटनागर सभा

सम्मान समारोह

एक अर्से से विचारणीय सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय अन्ततः क्रियान्वित किया जा रहा है इसमें आप सभी परिजनों की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। संक्षिप्त जानकारी

आयोजन स्थल – **सुखाड़िया रंगमंच, टाऊन हॉल**

10 सितम्बर 2000, समय दोपहर 4 बजे से

- 65 वर्ष से अधिक की आयु के पुरुष/महिलाओं को एवं जिन दम्पतियों को विवाह के 50 वर्ष पूर्ण हो गये है, उन सभी को सम्मानित करना।
- अप्रेल अंक में प्रकाशित शैक्षणिक उपलब्धि वाले छात्र–छात्राऐं जो 1993–99 की अवधि में प्रकाशित हुऐ, सम्मानित किया जाना प्रस्तावित।
- वर्तमान सत्र की अध्येत्तर गतिविधियों के पुरुस्कार वितरण आदि।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

समाज एवं सा. मंत्री　　महामंत्री　　अध्यक्ष

भटनागर सभा, उदयपुर

आय-व्यय विवरण 1998-99, 1999-2000, 2000-2001 (वर्तमान तक)

संक्षिप्त लेखा-जोखा

अवधि	प्रारम्भिक नकद	बैंक जमा राशि	विविध क्षेत्र से प्राप्तियां	योग	व्यय रुपया	शेष रुपया
1998–99	1302.50	69,567.47	19,395.47	90,265.44	32,026.00	58,239.44
1999–2000	13,395.50	44,843.94	79,957.00	1,38,196.44	37,627.00	1,00,569.44
2000–2001	9,521.00	91,048.44	35,076.00	1,35,645.44	17,890.00	1,17,755.44

अंकेक्षक | कोषाध्यक्ष | महामंत्री | अध्यक्ष

भटनागर सभा भूखण्ड - क्रय खाता

	कुल प्राप्तियां	मियादी जमा राशि (FD)	नकद/बैंक बैलेन्स
1998–2000	2,55,494.00	2,00,000.00	55,454.00

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा

महासभा की बैठक दिनांक 5 अगस्त, 2000 को समय 6 बजे "श्री चित्रगुप्त सभा भवन" सेक्टर-4 में आयोजित की जा रही है, इसमें राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष एवं युवा अध्यक्ष आदि महानुभाव अपने विचार प्रकट करेंगे एवं जिला अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ के चुनाव एवं सदस्यता प्रमुख बिन्दु रहेंगे, आप सपरिवार सादर आमन्त्रित है –

कमल सिंह नागोरी
प्रदेश उपाध्यक्ष

श्रद्धांजलि

13.4.2000 श्रीमती इन्दुरानी पत्नी श्री प्रताप सिंह जी (सलूम्बर)

6.5.2000 श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

19.6.2000 श्री चंचल कुमार भटनागर पुत्र श्री रामकृष्ण जी

बुक पोस्ट

सेवामें,
श्रीमान/श्रीमती .....

.....

.....

सम्पर्क सूत्र : चित्रांश रमेश चन्द्र, 38, मातृ आशिष, छोटी ब्रह्मपुरी, उदयपुर, दूरभाष : **527905** (निवास)
देवेश मोलावत, 15, नानीगली, उदयपुर, दूरभाष : **416332** (निवास)

AGRAWAL PRINTERS, UDAIPUR, Tel. : 484242